सांध्य दैनिक

4PM

www.4pm.co.in | www.facebook.com/4pmnewsnetwork | @Editor_Sanjay | YouTube @4pm NEWS NETWORK

जिद...सच की

मूल्य ₹ 3/-

● वर्षः 8 ● अंकः 62 ● पृष्ठः 8 ● लखनऊ, मंगलवार, 5 अप्रैल, 2022

अधिक से अधिक भोले, कम ज्ञानी और बच्चों की तरह बनिए। जीवन को मजे के रूप में लीजिये क्योंकि वास्तविकता में यही जीवन है।

-ओशो

भीषण गर्मी की चपेट में राजधानी... 7 | शिवपाल के जरिए भाजपा तैयार... 3 | जनता की फरियाद सुन अफसरों... 2

कांग्रेस की हार पर मंथन, निशाने पर मोदी सरकार

ध्रुवीकरण की राजनीति करती है भाजपा, धमकियों से नहीं डरेगा विपक्ष : सोनिया गांधी

- » विपक्षी नेताओं के खिलाफ सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग कर रहा केंद्र
- » कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष ने बैठक में लोकतंत्र की रक्षा के लिए पार्टी की मजबूती पर दिया जोर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। पांच राज्यों के विधान सभा चुनाव में मिली करारी हार पर मंथन करने के लिए आयोजित कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में पार्टी की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने भाजपा और केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि भाजपा विभाजनकारी और ध्रुवीकरण की राजनीति करती है। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग विपक्ष और विपक्षी नेताओं के खिलाफ किया जा रहा है लेकिन धमकी और ऐसे तरीकों से न तो विपक्ष डरेगा और न चुप बैठेगा। वहीं उन्होंने लोकतंत्र की रक्षा के लिए कांग्रेस की मजबूती पर जोर दिया। सोनिया गांधी ने कहा कि नफरत फैलाने वाली ताकतों के खिलाफ हमें खड़ा होना है। कांग्रेस, भाजपा को सदियों से हमारे विविध समाज को बनाए रखने और समृद्ध करने वाले सौहार्द के बंधन को नुकसान नहीं पहुंचाने देगी। भाजपा का विभाजनकारी एजेंडा राज्यों में राजनीतिक विमर्श का नियमित हिस्सा है। वह अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए इतिहास को तोड़-मरोड़ कर पेश करती है। उन्होंने कहा कि मध्यम और लघु उद्योग की हालत अभी भी खराब है जबकि किसानों से भी जो वादा किया गया था, उसके भी पूरा होने के कोई संकेत नहीं हैं। कुकिंग गैस, खाने के तेल, पेट्रोल-डीजल, खाद और दूसरी आवश्यक चीजों की कीमतें बर्दाश्त की सीमा से बाहर जा चुकी हैं और लगातार बढ़ रही हैं। कांग्रेस को मिली हार पर सोनिया गांधी ने कहा कि चुनावी नतीजे स्तब्ध करने वाले और पीड़ादायक हैं। वे कई नेताओं से मिली हैं और सुझाव मांगे हैं ताकि संगठन को मजबूत किया जा सके। उन्होंने चिंतन शिविर को भी आवश्यक बताया ताकि पार्टी के लोगों के विचारों को सुना जा सके।

पार्टी की एकता जरूरी

सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस का पुनरुद्धार सिर्फ हमारे लिए महत्व का विषय नहीं है बल्कि हमारे लोकतंत्र व समाज के लिए भी जरूरी है। पार्टी संगठन में हर स्तर पर एकता सर्वोपरि है। इसके लिए मैं जो भी जरूरी है, वह सब करने को तैयार हूं। कांग्रेस के लिए आगे की राह पहले से कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण है। इसमें हमारे लचीलेपन की भावना की कड़ी परीक्षा होगी। संसद के केंद्रीय कक्ष में हुई बैठक में पूर्व पीएम डॉ. मनमोहन सिंह, कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राज्य सभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, लोक सभा में कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी भी मौजूद थे।

यूक्रेन से आए छात्रों का भविष्य हो सुनिश्चित

रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण वहां से निकाले गए छात्रों पर सोनिया गांधी ने कहा कि इन हजारों छात्रों का भविष्य सुनिश्चित हो। कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि भारत में मेडिकल शिक्षा के लगातार बढ़ते खर्च पर भी ध्यान देने की जरूरत है।

जी-23 भी सक्रिय

देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस गंभीर आंतरिक मतभेदों से जूझ रही है। कांग्रेस के कई दिग्गज नेता पार्टी में बदलाव की खुलेआम वकालत कर चुके हैं। पूर्व कानून मंत्री व वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने तो घर की कांग्रेस को सबकी कांग्रेस बनाने की मांग कर सीधे नेतृत्व पर सवाल किए हैं। कांग्रेस का जी-23 भी सक्रिय है, हालांकि सोनिया गांधी के हालिया डैमेज कंट्रोल उपायों से इस समूह के तेवरों में कुछ नरमी आई है।

महंगाई को लेकर बरसे अखिलेश, लोक सभा में विपक्ष का हंगामा

- सपा प्रमुख बोले, कंपनी बन गयी है भाजपा, जनता की नहीं फिक्र
- विपक्षी सांसदों ने सदन में की चर्चा कराने की मांग, प्रश्न काल बाधित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लगातार बढ़ रही महंगाई को लेकर सपा प्रमुख और नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव ने आज फिर केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कंपनी बढ़ती लागत जनता से वसूल रही है लेकिन भाजपा सरकार जनहित में इसका नियंत्रण करने के बजाए खुद कंपनी बन गयी है। वहीं विपक्ष ने इस मुद्दे पर लोक सभा में जमकर हंगामा किया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने ट्वीट किया, आज के महंगाई के दौर में कंपनियां बढ़ती हुई लागत जनता से वसूल रही हैं पर अपना लाभ कम नहीं कर रही हैं। लोकतंत्र में सरकार की भूमिका राज करने की नहीं बल्कि ऐसी नीतियां बनाने की होती है जो जनहित के लिए नियंत्रण रखे, जिससे कोई जनता का शोषण-उत्पीड़न न कर सके। उन्होंने आगे लिखा कि भाजपा कंपनी बन गयी है। वहीं, दूसरी ओर महंगाई के मुद्दे पर विपक्षी दलों के सदस्यों ने आज लोक सभा में भारी हंगामा किया जिसके कारण सदन की कार्यवाही शुरू होने के करीब आधे घंटे बाद स्थगित कर दी गई। कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने सदन में महंगाई पर चर्चा की मांग की। इसके बाद द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने भी कुछ कहने का प्रयास किया लेकिन लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने प्रश्न काल की कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया। इस दौरान विपक्षी सदस्य आसन के समीप आकर नारेबाजी करने लगे। शोर-शराबे के बीच ही कुछ देर प्रश्न काल चलाया गया लेकिन हंगामा थमते न देख कार्यवाही को स्थगित कर दिया गया। इससे सदन में प्रश्न काल बाधित हो गया।

पंद्रह दिन में पेट्रोल-डीजल 9.20 रुपये महंगा

तेल कंपनियों ने आज भी पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में 80-80 पैसे की वृद्धि कर दी है। पिछले 15 दिनों में 13 बार कीमतें बढ़ाई जा चुकी हैं। इस वृद्धि से पेट्रोल और डीजल 9.20 रुपये महंगे हो चुके हैं। दिल्ली में पेट्रोल की खुदरा कीमत 104.61 रुपये प्रति लीटर हो गई है जबकि डीजल 95.87 रुपये प्रति लीटर हो चुका है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक पेट्रोल की कीमत 100 रुपये से ज्यादा हो चुकी है जबकि कई राज्यों में डीजल भी 100 रुपये के स्तर को पार कर गया है।

जनता की फरियाद सुन अफसरों की कुंडली बनाएंगे सीएम योगी

» मुख्यमंत्री ने अपने आवास पर पहले दिन सुनीं 450 शिकायतें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नौकरशाही पर नकेल कसने के लिए कार्रवाई का चाबुक हाथ में उठा चुके मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सीएम आवास के दरवाजे एक बार फिर जनता के लिए खोल दिए हैं। विधानसभा चुनाव की वजह से बंद हुए जनता दर्शन की शुरुआत सोमवार से हो गई। हर शिकायत को पोर्टल पर दर्ज कर अधिकतम एक माह में निस्तारण की व्यवस्था तय कर दी गई है। सीएम योगी आदित्यनाथ यह पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि जिन जिलों और विभागों से संबंधित शिकायतें ज्यादा आएंगी, वहां के अधिकारी जिम्मेदार होंगे। इसी तरह कुंडली बनाकर अफसरों पर कार्रवाई की जाएगी।

पहले कार्यकाल में मुख्यमंत्री योगी प्रतिदिन सुबह अपने सरकारी आवास पर जनता दर्शन आयोजित करते थे। तब उन्होंने कई बार इस बात पर जोर दिया कि अधिकांश आवेदन ऐसे आते हैं, जिनका निस्तारण तहसील, थाना या जिला स्तर पर हो सकता है। इसके बाद शिकायतों के आधार अधिकारियों और विभागों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए कहा। इसी बीच विधानसभा चुनाव आने की वजह से यह क्रम टूट गया। अब नई सरकार में शुरुआत से ही तीखे तेवर अपना चुके सीएम योगी ने फिर से जनता दर्शन कार्यक्रम शुरू कर दिया है। पहले दिन 450 फरियादी पहुंचे। उनकी शिकायत राज्य मंत्री अजीत पाल ने सुनी और समयबद्ध ढंग से निस्तारण का भरोसा दिलाया। साथ ही जमीनी विवाद और पुलिस से संबंधित शिकायतों को स्थानीय स्तर पर सुलझाए जाने पर बल दिया। राज्यमंत्री ने बताया कि सीएम योगी आदित्यनाथ ने निर्देश दिया है कि सभी शिकायतें पोर्टल पर अपलोड की जाएंगी। उन पर एक सप्ताह के अंदर संबंधित जिलों से रिपोर्ट तलब की जाएगी और अधिकतम एक माह में शिकायत का निस्तारण कर दिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जनता शिकायतों को लेकर गंभीरता बरतने का निर्देश अधिकारियों को दे चुके सीएम योगी दूसरे कार्यकाल में लापरवाही और भ्रष्टाचार के मामले में दो जिलाधिकारी, एक एसएसपी और एक एसडीएम को निलंबित कर चुके हैं।

लापरवाही बर्दाश्त नहीं

सरकारी प्रवक्ता के अनुसार पहले दिन जनता दर्शन में गेहूं खरीद और निशुल्क खाद्यान्न वितरण को लेकर एक भी शिकायत नहीं आई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे साबित होता है कि प्रदेश सरकार की जन कल्याणकारी योजनाएं ठीक ढंग से चल रही हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि जनता की समस्या को गंभीरतापूर्वक सुनकर समाधान कराएं। इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही क्षम्य नहीं होगी।

रोस्टर के अनुसार लगेगी ड्यूटी

जनता दर्शन में यूं तो मुख्यमंत्री स्वयं ही उपस्थित रहेंगे, लेकिन उनकी व्यस्तता या गैर मौजूदगी में अन्य मंत्री जनता की शिकायतें सुनेंगे। इसके लिए रोस्टर बनाया जा रहा है। फिलहाल तय हुआ है कि सोमवार को राज्यमंत्री अजीत पाल और मंगलवार को राज्यमंत्री बलदेव सिंह औलख फरियाद सुनेंगे। शेष दिन अन्य मंत्री की ड्यूटी रहेगी। वह सीएम के सहयोग के लिए भी जनता दर्शन में उपस्थित रह सकते हैं। बताया गया है कि अभी यह फौरी तौर पर रोस्टर बना है। जल्द ही अन्य मंत्रियों के दिन भी निर्धारित कर दिए जाएंगे।

अब खेत और सड़क पर नजर नहीं आएंगे निराश्रित पशु : धर्मपाल सिंह

» गोशालाओं को स्वावलंबी बना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को करेंगे मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में निराश्रित पशुओं की समस्या से जनता को निजात दिलाने के प्रधानमंत्री मोदी के वादे को पूरा करने के लिए पशुधन व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह अफसरों को कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं, जिससे मजबूती के साथ इस समस्या से छुटकारा पाया जा सके। पशुधन व अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा है कि निराश्रित पशुओं की समस्या के स्थायी समाधान के लिए कार्यवाही की जाएगी।

निकट भविष्य में निराश्रित पशु खेतों व सड़कों पर दिखायी नहीं देंगे, बल्कि उन्हें गोशाला व पशुपालक रखेंगे। इस समस्या को चुनौती के रूप में लेते हुए रणनीति बनाकर इसे अवसर के रूप में बदलने के हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। इस समस्या को प्रभावी ढंग से दूर करने के लिए किसानों, पशुपालकों व सामाजिक सहयोग लेने की भी जरूरत है। मंत्री धर्मपाल ने विधानभवन स्थित कक्ष में कार्यभार ग्रहण करने के बाद कहा कि गोशालाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना है। आगामी 100 दिन के कार्यक्रम बनाकर लक्ष्य निर्धारित तय करते हुए उसे धरातल पर उतारने के लिए कार्यवाही की जाए। पशुधन व दुग्ध विभाग पशुपालकों से सीधे जुड़ा है इसलिए इस प्रकार के कार्यक्रम बनाए जाए कि प्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में प्रथम स्थान पर बना रहे। पशुपालकों को विभाग की योजनाओं का सीधे लाभ मिल सके।

बहुत आगे तक ले जाना है शिक्षा को : राज्यपाल

» एकेटीयू में आनंदीबेन ने लगाई पाठशाला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कक्षा को ऐसे ही क्लास नहीं कहते। बचपन की हो, चाहे कॉलेज की या देश के सबसे बड़े तकनीकी विश्वविद्यालय की। क्लास का हौवा तो सिर चढ़कर बोलता ही है। चाहे पढ़ने वाला कोई भी क्यों न हो। सामान्य विद्यार्थी, अफसर, सरकार के मंत्री अथवा खुद कुलपति। उस पर कभी भी पूछे जाने वाले सवाल? विषय की जानकारी रखने वालों के लिए तो ठीक, बाकियों का काटे नहीं कटता क्लास का मुश्किल समय...।

इसी कड़ी में कल डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) में कुछ ऐसी ही क्लास से हो गया हमारे कुलपतियों का सामना। फिर क्या, सामने सब कुछ वही घूम गया। मजेदार बात यह रही कि राज्यपाल की क्लास में मंत्री और अपर मुख्य सचिव आगे बैठने वालों में रहे, जबकि कुलपति बैक बेंचर। इस मौके पर राज्यपाल ने अभिभावक की तरह सलाह के साथ नसीहत भी दी। कुलपति तब सहम उठे

जब राज्यपाल ने कहा कि आपस में झगड़े करना, विश्वविद्यालयों में एक-दूसरे के खिलाफ साजिश करना बंद करिए। सिर्फ शैक्षिक सुधार और विकास पर ध्यान केंद्रित करिए। नैक डायरेक्टर प्रो एससी शर्मा और अपर मुख्य सचिव मोनिका गर्ग के संबोधन के साथ ही अपर मुख्य सचिव राज्यपाल महेश कुमार गुप्ता ने दो दिवसीय नैक मंथन कार्यक्रम की जानकारी दी। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री तथा चिकित्सा शिक्षा मंत्री बृजेश पाठक, प्राविधिक शिक्षा मंत्री आशीष पटेल, कृषि शिक्षा एवं कृषि अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही समेत नैक व यूजीसी के सदस्य मौजूद रहे।

गांव से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन लेने दिल्ली पहुंचे केशव मौर्य

» पीएम मोदी और अमित शाह से मिले यूपी के डिप्टी सीएम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य योगी सरकार में शपथ लेने के साथ एक्टिव हो गए हैं। ग्राम्य विकास मंत्रालय का जिम्मा संभाल रहे केशव मौर्य इन दिनों दिल्ली में केंद्रीय नेतृत्व के साथ लगातार बैठक कर रहे हैं। इसी क्रम में उन्होंने पीएम मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की है।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने पीएम मोदी से मुलाकात के बाद ट्वीट करते हुए लिखा मां भारती की सेवा में समर्पित विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता,

गरीबों, किसानों, मजदूरों, महिलाओं व नौजवानों के भविष्य, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री मोदी से संसद भवन में आत्मीय भेंट कर गांव एवं गरीब के विकास से संबंधित विषयों पर मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद प्राप्त किया। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने इस दौरान केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से भी मुलाकात की।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

असंगठित श्रमिकों को जल्द मिलेगी कैशलेस इलाज की सुविधा

» मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत मिलेगा लाभ

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कोरोना काल के कठिन समय में करोड़ों मजदूरों तथा कामगारों के साथ खड़ी प्रदेश की योगी सरकार अब उनको एक और बड़ी सुविधा देने जा रही है। सरकार प्रदेश में असंगठित क्षेत्र के करोड़ों पंजीकृत मजदूरों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पांच लाख रुपये की कैशलेस इलाज की सुविधा मुहैया कराएगी। श्रम विभाग ने इसे अपनी 100 दिन की कार्ययोजना में शामिल किया है।

आयुष्मान योजना से छूटे असंगठित क्षेत्र के उन मजदूरों को जो उत्तर प्रदेश राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड में पंजीकृत हैं, पांच लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज

की सुविधा मुहैया कराने के लिए पिछली योगी आदित्यनाथ सरकार ने मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना शुरू करने का फैसला किया था। इस बारे में बीते वर्ष 20 अक्टूबर को श्रम विभाग की ओर से शासनादेश जारी किया गया था। उत्तर प्रदेश राज्य सामाजिक सुरक्षा बोर्ड के पोर्टल पर 79 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं। उत्तर प्रदेश सामाजिक सुरक्षा बोर्ड पंजीकृत श्रमिकों को कैशलेस इलाज की सुविधा स्टेट एजेंसी कांप्रिहेंसिव हेल्थ एंड इंटीग्रेटेड सर्विसेज (सांचीज) के माध्यम से मुहैया कराएगा। इसके लिए सांचीज के साथ अनुबंध हो चुका है। बोर्ड सांचीज को प्रीमियम के तौर पर प्रति श्रमिक 1102 रुपये की दर से प्रीमियम का भुगतान करेगा। इसके अलावा केंद्र सरकार ने वर्ष 2022-23 के लिए मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी की राज्यवार दरें निर्धारित कर दी हैं। उत्तर प्रदेश में मनरेगा श्रमिकों की मजदूरी में चालू वित्तीय वर्ष में नौ रुपये की वृद्धि की गई है। मनरेगा के तहत काम करने वाले श्रमिकों को अब 213 रुपये मजदूरी मिलेगी। उन्हें अभी तक 204 रुपये मिलते थे। उत्तर प्रदेश में मनरेगा के 1.36 करोड़ जाबकार्ड धारक हैं।

शिवपाल के जरिए भाजपा तैयार करेगी नई जमीन!

प्रसपा प्रमुख को विधान सभा उपाध्यक्ष बनाकर बड़ा दांव चल सकती भाजपा

» चुनाव परिणाम के बाद बदल गई है प्रसपा की परिस्थितियां

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव और उनके चाचा शिवपाल यादव के बीच पिछले कुछ दिनों से चल रहे घटनाक्रम ने भाजपा के लिए चरखा दांव की नई जमीन तैयार कर दी है। प्रसपा अध्यक्ष शिवपाल यादव की सत्ता खेमे से बढ़ रही नजदीकियों के बाद माना जा रहा है कि भाजपा नितिन अग्रवाल की तरह ही शिवपाल को विधान सभा उपाध्यक्ष बनाकर सपा के खिलाफ बड़ा रणनीतिक दांव चल सकती है। इस बात से सपा परेशान है। अखिलेश यादव और शिवपाल यादव के बीच लंबी चली खींचतान पर इस विधान सभा चुनाव में विराम लगता नजर आया था।

अलग पार्टी प्रगतिशील समाजवादी पार्टी (लोहिया) बनाने वाले शिवपाल अपने भतीजे व सपा मुखिया से कुछ सीटों के लिए बातचीत करते रहे, लेकिन अंततः अखिलेश ने सिर्फ एक ही सीट उनके लिए छोड़ी। उसके बाद प्रसपा अध्यक्ष परिवार में सब कुछ ठीक और परिवार की एकजुटता का संदेश देते रहे लेकिन चुनाव परिणाम के बाद परिस्थितियां फिर पहले जैसी होती महसूस हो रही हैं। अखिलेश ने सपा विधायक दल की बैठक बुलाई लेकिन उसमें शिवपाल को नहीं बुलाया जबकि वह सपा के टिकट पर ही जसवंत नगर से चुनाव जीते हैं। इसके बाद जब सहयोगी दलों की बैठक का न्यौता पहुंचा तो प्रसपा मुखिया उसमें नहीं पहुंचे। इसी बीच चर्चा शुरू हुई कि शिवपाल ने दिल्ली में भाजपा के कुछ नेताओं से भेंट की है। वह बेशक पुष्ट नहीं हुई लेकिन यहां लखनऊ में वह जरूर मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर पहुंचे और योगी आदित्यनाथ से मिले। इधर, शिवपाल ने ट्विटर पर भी प्रधानमंत्री मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ को फॉलो करना शुरू कर दिया। यह भाजपा के प्रति उनकी बढ़ती नजदीकियों के स्पष्ट संकेत हैं। तभी से चर्चा शुरू हो गई कि भाजपा शिवपाल को आजमगढ़ से लोक सभा उपचुनाव लड़ा सकती है। उन्हें राज्य सभा भी भेजा जा सकता है। इन परिस्थितियों ने अब नई अटकलों को जन्म दे दिया है। माना जा रहा है कि छह बार के वरिष्ठ विधायक शिवपाल यादव को भाजपा विधान सभा उपाध्यक्ष बना सकती है। व्यवस्था अनुसार विधान सभा अध्यक्ष सत्ता दल का जबकि उपाध्यक्ष विपक्ष का होता है। जिस तरह भगवा रणनीतिकारों ने सपा खेमे में सेंध लगाते हुए उसके विधायक नितिन अग्रवाल को उपाध्यक्ष बनाया था, वैसे ही सपा विधायक शिवपाल पर दांव आजमा सकती है। नितिन अब योगी सरकार में आबकारी मंत्री हैं। ऐसा हुआ तो शिवपाल की कुर्सी नेता विरोधी दल अखिलेश के बगल में होगी। खास बात यह कि यदि प्रसपा मुखिया इसके लिए तैयार हो चुके होंगे तो सपा चाहकर भी भाजपा की इस रणनीति को असफल नहीं कर पाएगी।

अखिलेश भविष्य में नहीं चाहते किसी तरह की चुनौती

पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव सपा में अब किसी तरह के कोई सियासी चुनौती भविष्य में नहीं चाहते हैं इसीलिए पार्टी को परिवार से मुक्त रखना चाहते हैं ताकि कोई भी सदस्य भविष्य में उनके सामने खुद को स्थापित न कर सके इसीलिए अखिलेश ने 2022 के चुनाव में शिवपाल की पार्टी के विलय कराने के बजाय उनकी पार्टी के साथ गठबंधन शब्द का इस्तेमाल किया। इस तरह भले ही सपा के सिंबल पर उन्हें चुनाव लड़ाया, लेकिन गठबंधन का सहयोगी दल माना। अखिलेश ने सपा के विधायक दल का नेता बनने के लिए लोक सभा सदस्यता से भी इस्तीफा दे दिया क्योंकि इस कुर्सी पर शिवपाल की नजर थी।

बेटे आदित्य के लिए संभावनाएं तलाश रहे शिवपाल

सूत्रों की मानें तो शिवपाल अपने समर्थकों के साथ भाजपा ज्वाइन कर सकते हैं। इसके पीछे सबसे बड़ा कारण है बेटे आदित्य यादव का उत्तर प्रदेश की राजनीति में भविष्य सुरक्षित करना। शिवपाल अपने बेटे आदित्य के लिए संभावनाएं तलाश रहे हैं। अटकलें लग रही हैं कि आजमगढ़ से उपचुनाव में आदित्य यादव भी चुनावी मैदान में उतर कर ताल ठोक सकते हैं। अब इस बात में कितनी सच्चाई है ये तो वक्त ही बताएगा लेकिन वर्तमान में गठबंधन में परिस्थितियां ठीक नहीं हैं।

अब लोक सभा चुनाव की तैयारी में जुटी भाजपा, दलित वोट बैंक पर नजर

» मिशन आंबेडकर के जरिए दलितों के वोट बटोरने की कवायद

» आंबेडकर जयंती पर दिखेगी झलक, कार्यकर्ताओं को दिए गए निर्देश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रचंड बहुमत से लगातार दूसरी बार सत्ता में पहुंची भाजपा ने अब लोक सभा चुनाव की तैयारी शुरू कर दी है। विधान सभा चुनाव में गरीबों के लिए योजनाएं बनाकर भाजपा ने लाभार्थियों का ऐसा वोट बैंक तैयार किया जिसने विरोधी दलों को चित कर दिया। भाजपा की इस पहल से दलित मतदाता भी भगवा खेमे की ओर बढ़ते नजर आए। लिहाजा अब भाजपा ने मिशन आंबेडकर के जरिए दलित वोटों को बटोरने की कवायद शुरू कर दी है।

विधान सभा चुनाव में दलितों ने भाजपा को जमकर वोट दिया है। शीर्ष नेतृत्व को उम्मीद है कि लोक सभा चुनाव में भी यह उसकी झोली भर सकता है। लिहाजा, पार्टी ने मिशन-2024 के लिए मिशन आंबेडकर की रूपरेखा भी बना ली है, जिसकी पहली झलक इस बार आंबेडकर जयंती पर दिखाई देगी। गौरतलब है कि इस बार विधान सभा चुनाव में हार-जीत के दांव काफी हद तक जातीय गणित पर टिके थे। भाजपा का विजय रथ रोकने के लिए सपा ने जाटों की सियासत करने वाले राष्ट्रीय लोक दल और महान दल से हाथ मिलाया ताकि पश्चिमी उत्तर प्रदेश में वोट जुटाया जा सके। कुछ हद तक प्रयास सफल हुए और पिछले चुनाव में एक सीट पर सिमटे रालोद के इस बार आठ विधायक हो गए। सपा ने पूर्वांचल के जातीय समीकरण साधने के लिए सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी और अपना दल कमेरावादी के साथ गठबंधन किया। परिणाम पिछले चुनाव की तुलना में बेहतर हुए। सपा की कुल सीटें 47 से बढ़कर 111 जबकि गठबंधन सहयोगियों के साथ 125 पर पहुंच गई। जातीय समीकरण भाजपा ने भी साधे। अपना दल (एस) और निषाद पार्टी के साथ चुनाव लड़ने का लाभ मिला। सहयोगियों की 18 सहित सत्ताधारी दल को कुल 273 सीटों पर जीत मिली। मगर, भाजपा का सबसे सफल दांव लाभार्थी वोट बैंक का रहा।

भाजपा ने सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की नीति को प्रचारित करते हुए गरीब वर्ग तक विकास योजनाओं का लाभ पहुंचाया तो रिटर्न गिफ्ट में उसे लाभ ही मिला। पार्टी के रणनीतिकार मान रहे हैं कि इस चुनाव में उन्हें दलित वोट भरपूर मिला है। बसपा का सिर्फ एक विधान सभा सीट पर सिमट जाना इसकी पुष्टि भी करता है। इन परिणामों से उत्साहित भाजपा ने लोक सभा चुनाव की रणनीति भी इसी नीति पर बुनना शुरू कर दिया है। मंत्रिपरिषद के गठन से भी साफ हो गया कि पार्टी हर जाति-वर्ग को साथ लेकर चलना चाहती है लेकिन दलित वोट बैंक पर विशेष नजर है। यही वजह है कि पार्टी अपने एजेंडे को संगठन की जड़ तक उतार देना चाहती है, एक-एक कार्यकर्ता को उसमें शामिल करना चाहती है। इसकी तैयारी 14 अप्रैल को मनाई जाने वाली आंबेडकर जयंती की रूपरेखा से भी परिलक्षित हो रही है।

करोड़ों परिवारों तक पहुंचाएंगे संदेश

भाजपा के इस मिशन की ताकत का अंदाजा इस बात से लग सकता है कि एक साथ पार्टी अपनी विचारधारा करोड़ों परिवारों तक पहुंचा सकती है। पार्टी की सदस्यता ले चुके कार्यकर्ताओं की संख्या दो करोड़ से अधिक है।

भव्य तरीके से मनायी जाएंगी आंबेडकर जयंती

प्रदेश नेतृत्व की ओर से सभी जिला और महानगर इकाइयों को पत्र जारी कर कहा गया है कि आंबेडकर जयंती पर प्रत्येक कार्यकर्ता पार्टी के सार्वजनिक कार्यक्रमों के इतर अपने-अपने घर में डा. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर सुबह पुष्पार्चन करेंगे। उसके बाद उस चित्र को स्थायी रूप से घर में लगीं अन्य तस्वीरों के साथ लगाएंगे। बेशक, घर के कमरे में लगी आंबेडकर की तस्वीर दलित समाज में संदेश न पहुंचा रही हो लेकिन पार्टी अपने कार्यकर्ताओं को अपने मिशन में मजबूती से जोड़ना चाहती है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjayasharma
@Editor_Sanjay

नए मुकाम पर भारत-नेपाल रिश्ते

"अब जब शेर बहादुर देउबा ने नेपाल की सत्ता संभाली है तो एक बार फिर दोनों देशों के बीच मधुर संबंधों की शुरुआत हुई है। देउबा यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि यदि नेपाल को चीन की विस्तारवादी नीति से बचाना है तो उसे भारत के साथ मधुर संबंध बनाए रखना होगा। चीन नेपाल के कई गांवों में कब्जा कर चुका है। इससे चीन के प्रति नेपाल के लोगों के मन में आक्रोश है।

भारत-नेपाल रिश्ते फिर पटरी पर आते दिखने लगे हैं। दोनों देशों ने पुराने गिले-शिकवे भुलाकर दोस्ती की नयी नींव रखी है। नेपाल के प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा और भारत के पीएम नरेंद्र मोदी के मौजूदगी में दोनों देशों के बीच अहम समझौते हुए। इसमें नेपाल में रुपे कार्ड को लॉन्च किया गया। भारत और नेपाल के बीच एक बार फिर रेल सेवा शुरू की गयी और सौर ऊर्जा को लेकर नेपाल से करार किया गया। सवाल यह है कि इन समझौतों का दोनों देशों पर क्या असर पड़ेगा? क्या नेपाल का चीन से मोहभंग होने लगा है? क्या नेपाल का सत्ताधारी दल चीन के विस्तारवादी नीतियों को समझ चुका है? क्या दोनों देशों के संबंध पुराने विवादों को शांतिपूर्ण ढंग से निपटाने में अहम भूमिका निभा सकेंगे? क्या भारत, नेपाल में अपने प्रभाव को बढ़ाकर चीन पर कूटनीतिक बढ़त हासिल कर सकेगा? क्या इन संबंधों का दोनों देशों की कूटनीति पर दीर्घकालीन असर पड़ेगा?

भारत और नेपाल न केवल पड़ोसी हैं बल्कि धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषाई और ऐतिहासिक दृष्टि से भी एक-दूसरे के बहुत करीब हैं लेकिन नेपाल में कम्युनिस्ट सरकार आने के बाद इन संबंधों पर नकारात्मक असर पड़ा। यहां की कम्युनिस्ट सरकार चीन के प्रभाव में आकर भारत से विभिन्न मुद्दों पर उलझने की कोशिश करती दिखी। केपी शर्मा ओली के शासन काल में संबंध काफी तनावपूर्ण हो गए थे। हालांकि भारत ने इन पर ध्यान नहीं दिया और कोरोना काल में पड़ोसी धर्म निभाते हुए हर तरीके की सहायता नेपाल को उपलब्ध करायी। अब जब शेर बहादुर देउबा ने नेपाल की सत्ता संभाली है तो एक बार फिर दोनों देशों के बीच मधुर संबंधों की शुरुआत हुई है। देउबा यह बात अच्छी तरह जानते हैं कि यदि नेपाल को चीन की विस्तारवादी नीति से बचाना है तो उसे भारत के साथ मधुर संबंध बनाए रखना होगा। चीन, नेपाल के कई गांवों में कब्जा कर चुका है। इससे चीन के प्रति नेपाल के लोगों के मन में आक्रोश है। यही वजह है कि देउबा जब भारत की यात्रा पर आए तो दोनों देशों के संबंधों को फिर पंख लग गए। सौर परियोजना को लेकर बड़ा समझौता हुआ। इसके साथ अब नेपाल अंतरराष्ट्रीय सोलर अलायंस का सदस्य भी बन गया है। समझौते के तहत नेपाल अपनी अतिरिक्त बिजली भारत को निर्यात कर सकेगा। इससे उसका आर्थिक विकास हो सकेगा। रुपे कार्ड भारत की फाइनेंशियल कनेक्टिविटी में एक नया अध्याय जोड़ेगी। इसके अलावा नेपालगंज में एकीकृत चेकपोस्ट और रामायण सर्किट आदि भी दोनों देशों को और करीब लाएंगे। वहीं ये संबंध नेपाल के जरिए भारत के घेरने के चीनी मंसूबे को ध्वस्त कर देंगे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

नव निर्माण की नयी सोच से जन कल्याण

सुरेश सेठ

आजादी के पचहत्तर साल और उसके अमृत महोत्सव के प्रति उत्सवधर्मी होने के बावजूद आज भी देश के करोड़ों लोगों को लगता है कि उनके लिये बदलाव की यात्रा अभी शुरू नहीं हुई जब आर्थिक वर्ष शुरू करते हुए जब देश की वित्तमंत्री निर्मला ने संसद में अपना बजट प्रस्तुत करते हुए कहा कि यह बजट देश के मूलभूत आर्थिक ढांचे के निर्माण के शुभारंभ का बजट है। ढांचे के ठोस आधार को खड़ा करने में वक्त लगता है। उम्मीद है कि सदी के अंत तक यह मूलभूत ढांचा ठोस आधार पा लेगा और देश का हर साधारण जन इस क्रांतिकारी बदलाव में राहत की सांस ले नयी सदी में प्रवेश का एक कल्याणकारी उत्सव मना लेगा।

अपने देश की सांस्कृतिक परंपरा में धार्मिक, सामाजिक और राजनैतिक उत्सव मनाने का चलन है। शोभायात्राओं के साथ जनसमूह का उत्साह, सम्मिलन, ढोल-नगाड़ों के साथ अपनी लोककला से लेकर आधुनिक कला का प्रदर्शन, जयघोष की संगीतमय प्रस्तुति हमारे मुक्त जीवन का प्रतीक है। आमजन को एक विस्तृत पैमाने पर जीने का अवसर मिलेगा, भले ही तीन-चौथाई सदी के बाद यह सबके लिये एक जीवनदायी संदेश था। तब इसका अनुसरण कुछ समानधर्मी राज्य सरकारों ने भी किया। कुछ बरसों से ये राज्य सरकारें जनता को अचानक झटका नहीं देतीं। ये कोई नया कर वाला बजट पेश नहीं करतीं। इस बार में इनका उद्बोधन स्वर भी मूलभूत आर्थिक ढांचे के निर्माण का ही था, जिसमें आने वाले दिनों के लिए 'सदा अच्छे दिन रहने वाले' वचन का बिम्ब सबको मिल रहा था। पूछा जा सकता था कि तीन चौथाई सदी बीत गयी, इस मूलभूत आर्थिक ढांचे को बनाने का प्रयास अभी से शुरू क्यों हुआ? बल्कि इस कोरोना काल की लॉकडाउन अवधि में तो आर्थिक विकास दर और सकल घरेलू उत्पाद की दुरावस्था का एक अलग ही नजारा पेश होता रहा। बढ़ती महंगाई ने निम्न वर्ग ही नहीं, मध्यम वर्ग के भी बखिये उधेड़ दिये हैं। निवेश और उत्पादन के निष्क्रिय हो जाने के बाद महानगरों से जितना बड़ा पलायन श्रमशक्ति का अपने गांव-घरों की ओर देखा गया, इतना पलायन भारत विभाजन के समय भी नहीं हुआ था। बेकारी की दर पिछले पैंतालीस बरसों में शिखर लांघ गयी।

घोषणाओं के बावजूद लघु और कुटीर उद्योगों की कोई नयी दुनिया नहीं दिखी। दिशाहीन शिक्षा व्यवस्था कभी ऑफलाइन तो कभी ऑनलाइन होती रही। देश के डिजिटल हो जाने की घोषणाएं थीं, लेकिन उनके लिये निपुण शोधपरक शिक्षा संस्थानों के स्थान पर आइलेट्स अकादमियों का जाल बिछ गया। ऐसे माहौल में आज जब कोरोना महामारी को अधिकृत रूप से विदाई दी जा रही है, हमारा आर्थिक, सामाजिक, शैक्षणिक जीवन मुक्त हो रहा है। नवनिर्माण के प्रति कटिबद्ध हो जाना गलत नहीं है लेकिन यह ढांचा निर्मित होते हुए अपने सामने युगानुरूप कौन-सी प्राथमिकताएं रखें? इस पर गंभीर विचार होना गलत नहीं होगा। सरकार ने जनता के सामने आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य रखा है। इसकी पहली उपलब्धि के लिये यह घोषणा भी कर दी गयी है कि भारत ने अपने निर्यात में वृद्धि की गौरवपूर्ण सफलता प्राप्त की है लेकिन अपने उत्पादन और उपभोग के लिये अभी भी विदेशों से आयातों पर निर्भरता क्यों? निर्यात बढ़ने के बावजूद घाटे का बजट क्यों खत्म नहीं हुआ? आजादी के पचहत्तर वर्षों में हमने योजनाबद्ध आर्थिक विकास के साथ प्रजातान्त्रिक समाजवाद के प्रति कटिबद्ध होने की प्राथमिकता अपने संविधान में घोषित की थी। बारह पंचवर्षीय योजनाओं के मार्ग पर इस योजना आयोग की नीतिबद्ध और उसके द्वारा प्राप्तियों या असफलताओं के आकलन के मार्ग पर चले। अब योजना आयोग को अनुपयोगी बताकर त्याग दिया है, उसका स्थान नीति आयोग ने ले लिया है। योजनाओं के प्रारूप की जगह घोषणाओं का विकेन्द्रीकरण हो गया है। निश्चय ही नित्य नयी योजनायें सामने आ रही हैं- 'एक देश एक कर' में जीएसटी से लेकर नयी शिक्षा नीति तक। आत्मनिर्भर भारत से लेकर स्टार्ट अप इंडिया तक, उदार साख नीति से लेकर आर्थिक बूस्टरों तक। लेकिन बहुत से स्थापित आर्थिक लक्ष्य नकार भी दिये गये हैं। जनकल्याण नेपथ्यवासी हो गया। निजी क्षेत्र आर्थिक विकास का पहरुआ बने और विस्तृत होता हुआ सार्वजनिक क्षेत्र जनकल्याण और कतार में खड़े आखिरी आदमी का ध्यान रखे -कहां है? देश की विकास गति को तेज करने के लिये, उत्पादन व्यवस्था को इक्कीसवीं सदी के रंग में रंगने के लिये अब निजी क्षेत्र और धनिक घरानों पर अधिक भरोसा किया जा रहा है। क्या यह आवश्यक नहीं कि जब आर्थिक ढांचे का नवनिर्माण हो रहा है तो उसके केंद्र में त्वरित आर्थिक गति ही नहीं, साधारण जन की पीड़ा और परवाह को भी रखा जाये।

अस्थिरता की गिरफ्त में पाकिस्तान

आशुतोष चतुर्वेदी

पाकिस्तान एक बार फिर अस्थिरता की गिरफ्त में है। प्रधानमंत्री इमरान खान की सलाह पर वहां के राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने नेशनल असेंबली भंग कर दी है। 342 सदस्यीय नेशनल असेंबली में बहुमत गंवा चुके इमरान के खिलाफ पेश अविश्वास प्रस्ताव को उपाध्यक्ष कासिम सूरी ने संविधान के खिलाफ बताकर भले खारिज कर दिया और इमरान को संसद में होने वाली फजीहत से बचा लिया मगर इमरान की मुश्किलें खत्म होने की बजाय बढ़ गयी हैं। एक ओर जहां एसेंबली के फैसले पर सवाल उठ रहे हैं, वहीं पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने इस पर स्वत: संज्ञान ले लिया है। विपक्ष ने असेंबली भंग करने को संविधान के खिलाफ करार दिया और संसद भवन परिसर में ही धरना शुरू कर दिया है। दरअसल, पाकिस्तान में लोकतंत्र की जड़ें इतनी कमजोर हैं कि हर तीन-चार साल बाद इस पर कोई कुठाराघात हो जाता है। पाकिस्तान के स्याह इतिहास में प्रधानमंत्री सबसे कमजोर कड़ी है।

चाहे वह भारी जनादेश वाली नवाज शरीफ की सरकार हो या साधारण बहुमत वाली इमरान खान की सरकार, किसी सैन्य तानाशाह को उसे गिराते देर नहीं लगती है। पाकिस्तान का राजनीतिक इतिहास उथल पुथल भरा व रक्तरंजित रहा है। चुनी हुई सरकारों को सैन्य तानाशाहों ने चार बार गिराया है। दो प्रधानमंत्रियों को न्यायपालिका ने बर्खास्त किया जबकि एक पूर्व प्रधानमंत्री जुल्फिकार अली भुट्टो को फांसी दी गयी और एक पूर्व प्रधानमंत्री बेनजीर भुट्टो की हत्या कर दी गयी। मौजूदा घटनाक्रम उसी का दोहराव है। सेना के हाथ खींच लेने के बाद कई सहयोगियों ने भी इमरान खान का साथ छोड़ दिया। सभी जानते हैं कि इमरान खान 'इलेक्टेड' नहीं, बल्कि सेना द्वारा 'सिलेक्टेड' थे। कोरोना से उत्पन्न संकट के बाद तो सेना ने सत्ता पर पूर्ण नियंत्रण कर लिया था। इमरान पहले कठपुतली प्रधानमंत्री थे और उसके बाद वे मुखौटा प्रधानमंत्री रह गये थे। चुनाव प्रचार और मतदान से लेकर मतगणना तक सारी व्यवस्था सेना ने अपने नियंत्रण में रखा था। सुरक्षा एजेंसियां ने चुनावी कवरेज को प्रभावित करने के लिए लगातार अभियान चलाया।

जो भी पत्रकार, चैनल या अखबार नवाज शरीफ के पक्ष में खड़ा नजर आया, खुफिया एजेंसियां ने उन्हें निशाना बनाया था। चुनाव से ठीक पहले भ्रष्टाचार के एक मामले में नवाज शरीफ को 10 साल कैद की सजा सुना दी गयी थी ताकि इमरान सत्ता के मजबूत दावेदार बन कर उभर सकें। रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर पाकिस्तान की हालात विचित्र है। इमरान खान रूस के समर्थन में खड़े नजर आये तो सेना प्रमुख जनरल कमर बाजवा ने इसके उलट रुख अपनाया है। बाजवा ने यूक्रेन पर रूसी हमले को तुरंत रोकने की मांग की है। इमरान अमेरिका पर आरोप लगा रहे हैं, वहीं सेना प्रमुख अमेरिका का पक्ष लेते नजर आये। उन्होंने इसे एक बड़ी त्रासदी करार देते हुए कहा कि रूस की वैध सुरक्षा चिंताओं के बावजूद एक छोटे देश के खिलाफ उसकी आक्रामकता को माफ नहीं किया जा सकता है। इमरान खान ने हाल में लगातार भारत की विदेश नीति की तारीफ की। इसका कोई विशेष अर्थ न निकालें। ऐसा वे पाकिस्तानी सेना को चिढ़ाने के लिए कह रहे थे, क्योंकि विदेश नीति का नियंत्रण सेना के हाथ में है और सेना उन्हें सत्ता से हटा रही थी। ठीक यूक्रेन युद्ध से पहले रूस की यात्रा कर उन्होंने अमेरिका को नाराज कर दिया था। कुछ दिनों से वे कह रहे हैं कि विपक्ष के साथ मिलकर विदेशी मुल्क में उनके खिलाफ साजिश रची जा रही है। उन्होंने कई बार नाम लेकर और कई बार बिना नाम के अमेरिका पर इस साजिश में शामिल होने का आरोप लगाया है। इमरान खान ने आरोप लगाया कि अमेरिका ने साफ तौर पर कहा है कि आप अगर इमरान खान हटायेंगे तो हमारे संबंध आपसे अच्छे होंगे और हम आपको माफ कर देंगे। उनका आरोप है कि पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के भाई शहबाज शरीफ भी इस साजिश में शामिल हैं।कहा जाता है कि पाकिस्तान में सत्ता तीन ए- आर्मी, अल्लाह और अमेरिका- के सहारे चलती है। जब 2018 में इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ पाकिस्तान की सत्ता में आयी तो इमरान ने अपनी सरकार को रियासते-मदीना यानी मदीने की सरकार की तरह चलाने का ऐलान किया था। पाश्चात्य जीवनशैली वाले इमरान सत्ता में आने के बाद कट्टर धार्मिक हो गये। वे हर मोर्चे पर पूरी तरह नाकाम रहे हैं। उनके कार्यकाल में देश की आर्थिक स्थिति खस्ता हो गयी। सेना को लगा कि ऐसी विषम परिस्थितियों में इमरान खान से पीछा छुड़ाना ही बेहतर है जबकि वे सेना के साथ तालमेल बिठाते रहे लेकिन आईएसआई के पूर्व प्रमुख फैज हमीद को हटाने में देरी की कोशिश ने सेना को उनसे नाराज कर दिया और फिर उनके बीच दूरियां बढ़ती गयीं। सेना के वफादार माने जानेवाले दर्जनभर लोग इमरान सरकार में प्रमुख पदों पर काबिज थे. इनमें से अधिकतर पूर्व सैन्य अधिकारी हैं। पाकिस्तान में सेना सत्ता के साथ उद्योग-धंधे भी चलाती है। प्रॉपर्टी के धंधे में भी उसकी दिलचस्पी है। वहां अदालतें सेना के इशारे पर फैसले सुनाती हैं अन्यथा जजों को ही रुखसत कर दिया जाता है। यही वजह है कि अब तक पाकिस्तान में जितने भी तख्ता पलट हुए हैं, उन सभी को पाक सुप्रीम कोर्ट ने सही ठहराया है तथा किसी भी फैसले में सुप्रीम कोर्ट ने तख्ता पलट पर आपत्ति नहीं जतायी है। रिश्तों को लेकर भारत पहले से कठिन दौर से गुजर रहा है। ऐसे में पाकिस्तान का घटनाक्रम चिंताजनक है। वह हमारा पड़ोसी है, इसलिए न चाहते हुए भी वहां की घटनाएं हमें प्रभावित करती हैं।

नवरात्रि व्रत में इन ड्रिंक्स को पीकर रखें पेट को ठंडा

नवरात्रि व्रत के दौरान कई लोग सुबह से लेकर शाम तक भूखे रहते हैं जिसकी वजह से कई लोगों को पेट में जलन और एसिडिटी की समस्या होने लगती है। वहीं इन दिनों गर्मी काफी ज्यादा बढ़ रही है जिसकी वजह से कई लोगों को सिरदर्द और चक्कर आने की समस्या भी होने लगती है। ऐसे में जानते हैं कुछ ऐसे ड्रिंक्स के बारे में जो आपके पेट को ठंडा रखने में आपकी मदद कर सकते हैं।

मीठी लस्सी

दही पेट को ठंडा रखने के लिए काफी अच्छा माना जाता है, वैसे तो आप चाहें तो अपने खाने में भी इसे शामिल कर सकते हैं। लेकिन अगर दिन में लगने वाली भूख और पेट की जलन से छुटकारा पाना चाहते हैं तो आप दही की लस्सी बनाएं। इसे बानना बेहद आसान है। बस इसके लिए दही में शक्कर को मिलाएं और ब्लेंडर की मदद से इसे मिक्स करें। इसमे बर्फ के टुकड़े मिलाएं और लस्सी का मजा लें।

नींबू शिकंजी

गर्मी में लू से बचने के लिए और फ्रेश फील करने के लिए नींबू शिकंजी को पीएं। शिकंजी बनाने के लिए नॉर्मल पानी में पहले शक्कर को घोल लें। फिर इसमें ठंडा पानी नींबू मिलाएं। अब भुना जीरा और नमक मिलाएं और पीएं।

तरबूज का जूस

गर्मियों के मौसम में शरीर को ठंडा रखने और डिहाइड्रेशन से बचने के लिए तरबूज काफी अच्छा होता है। इसमें पानी की मात्रा ज्यादा होती है, इसलिए ये आपके पेट को काफी देर तक भरा रखने में मदद करता है। आप इसका जूस बनाकर पी सकते हैं। इसके लिए तरबूज को काटें और फिर जितना हो सके इसके बीज को अलग करें। मिक्सर में अच्छे से ब्लेंड करें और फिर बर्फ डाल कर पीएं। अगर आप व्रत में कई बार नमक खाते हैं तो इसमें थोड़ा सा नमक मिला सकते हैं।

केले का शेक

ठंडा केले से बना शेक पेट की गर्मी को खत्म करने के साथ ही आपके पेट को भरा रखने में मदद करता है। इसे बनाने के लिए आप दो केले लें और एक गिलास दूध। दोनों को अच्छे से ब्लेंडर में मिक्स करें फिर ब्लेंडर में शक्कर और बर्फ के टुकड़े डालें, गिलास में निकालें और पीएं।

सुबह के नाश्ते में खाएं पोषण से भरपूर

अंकुरित मूंग दाल का चीला

अंकुरित मूंग दाल ना केवल स्वाद में लाजवाब होती है बल्कि इसका रोजाना एक कटोरी सेवन करने से शरीर को कई तरह के फायदे भी मिलते हैं। कई लोग अंकुरित मूंगदाल का सेवन खाली पेट करते हैं तो कुछ लोग इसका सेवन जिम या फिर एक्सरसाइज के बाद करते हैं। मूंग दाल में प्रचुर मात्रा में प्रोटीन होता है। साथ ही इसमें फाइबर, पोटैशियम, फास्फोरस, मैग्नीशियम, आयरन, विटामिन बी6 होता है। कच्चा अंकुरित मूंग बहुत ज्यादा पसंद नहीं तो आसानी से इसका चीला बना कर भी आप इसके फायदे पा सकते हैं। आगे पढ़ें अंकुरित मूंग दाल चीला रेसिपी के बारे में।

बनाने की विधि

अंकुरित किया हुए चना और मूंग दाल को मिक्सर जार में डालें। साथ ही, थोड़ा पानी, हरी मिर्च और अदरक डाल कर कर बारीक पीस लें। एक गहरे बर्तन में इस पीसे हुए मिश्रण और चावल का आटा डाल कर अच्छी तरह फेंट लें। ध्यान रहे कि मिश्रण को पकौड़े के घोल जैसा पतला करना है, इसलिए अगर आवश्यकतानुसार पानी भी डाल सकती हैं। फेंटे गये मिश्रण में नमक, हींग, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर और धनिया पत्ती डाल कर मिलाएं। अब नॉन स्टिक तवा को गर्म करके उसमें आधा टी-स्पून तेल डाल उसे चिकना कर लें। अब एक कलछी भर कर मिश्रण गर्म तवा पर डालें और उसे गोलाई में फैला कर पतला फैलाएं। चीले के चारों ओर, ऊपर और नीचे एक टी-स्पून तेल डालें और चीले को दोनों ओर से सुनहरा होने तक सेंक लें। एक प्लेट पर टिश्यू पेपर बिछा कर गर्मागर्म चीला तवे से उतारें और सर्विंग प्लेट में रख कर हरी चटनी या टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें। अंकुरित दाल के पीसे हुए मिश्रण में आप स्वादानुसार सब्जियां, कद्दूकस किया गाजर, बंदगोभी, फूल गोभी आदि भी डाल सकती हैं।

सामग्री

- **अंकुरित किया हुआ चना** : 2 कप
- **अंकुरित किया हुआ मूंग** : 2 कप
- **गेहूं या चावल का आटा** : 1 कप
- **बारीक कटी हरी मिर्च** : 1 टेबल स्पून
- **बारीक कटा अदरक** : 1 टेबल स्पून
- **स्वादानुसार नमक**
- **हींग** : 1 पिंच
- **लाल मिर्च पाउडर** : 1 टी-स्पून
- **धनिया पाउडर** : 1 टेबल स्पून
- **बारीक कटी हरा धनिया** : 2 टेबल स्पून
- **तेल** : 2-3 टेबल स्पून

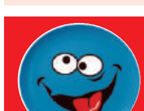

हंसना मना है

रवि- परीक्षा खत्म होते ही जिम ज्वॉइन कर लूंगा। गप्पू- क्यों? रवि- रिजल्ट आने तक मार झेलने लायक तो बॉडी बन ही जाएगी।

दादा - कमर में बहुत दर्द है। जरा शर्मा जी के घर से आयोडेक्स ले आओ। दादी - अरे वो नहीं देंगे, बहुत कंजूस हैं। दादा - हां हैं तो खानदानी कंजूस। पता नहीं इतने पैसे लेकर कहां जाएंगे? मर जाएंगे यूं ही, ऐसा करो अलमारी से तुम अपनी ही निकाल लो, दर्द कुछ ज्यादा ही है।

मंटू- डॉक्टर के पास गया। डॉक्टर- बताओ क्या दिक्कत है।। मंटू- जब में सोता हूं तो रोज बंदर मेरे सपने में फुटबॉल खेलते हैं डॉक्टर- इसमें परेशानी की कोई बात नहीं है... रात को ये गोली खाकर सो जाना... मंटू- नहीं, ये गोली मैं कल खाउंगा, क्योंकि आज फाइनल है।

रवि- आखिर आज पता चल ही गया कि पत्नी को बेगम क्यों कहते हैं... क्योंकि शादी के बाद पत्नी बे, गम हो जाती है और सारे गम पति के हिस्से में चले जाते हैं।

लड़की ने प्यार से लड़के के सीने पर अपना सर रखा और बोली- जानू, आपका दिल कितना कुरकुरा है. लड़का - अरे पगली, दिल कुरकुरा नहीं है। जेब में बीड़ी का बंडल पड़ा है।

कहानी: आपकी क्रियाओं का प्रभाव

एक दिन अकबर अपने दोस्तों के साथ बैठकर बातचीत कर रहे थे। और उनके आस-पास पूरे देश के समझदार, अच्छे और सृजनात्मक व्यक्ति थे। वे कह रहे थे कि अकबर ने बीरबल को थप्पड़ मारा, बिना किसी कारण के। लेकिन बादशाह को तो कोई थप्पड़ नहीं मार सकता, लेकिन वह थप्पड़ कहां गया? तभी बीरबल ने अपने साथ खड़े व्यक्ति को थप्पड़ मारा। सबने सोचा, यह तो अजीब है। अब जिस व्यक्ति को थप्पड़ लगा उसने अनोखा उत्तर दिया, उसने पूछने की बजाय अपने साथ खड़े व्यक्ति को थप्पड़ मारा। और उस व्यक्ति ने सोचा शायद यह दरबार का चलन है तो उसने अगले व्यक्ति को थप्पड़ मारा। इस तरह थप्पड़ पूरे दरबार में फैल गया। उसी रात अकबर की पत्नी ने उन्हें थप्पड़ मारा। तब उन्होंने पूछा आपने मुझे क्यों मारा? वह बोली, यह क्या प्रश्न है? यह तो एक खेल है। अकबर बोले, तुम्हें किसने कहा यह एक खेल है? वह बोली, हमने पूरा दिन सुना कि आपके दरबार में एक अनोखा खेल शुरू हुआ है। जिसका नियम यह है कि जो आपको मारे, आप उसे वापिस नहीं मार सकते, आपको किसी और को ढूढ़ना पड़ता है। और किसी ने मुझे थप्पड़ मारा। इसलिए आपका थप्पड़ आपके पास वापस आ गया। अब खेल पूरा हुआ।

इस कहानी से शिक्षा : हर तरह के चाल-ढाल और काम की अनचाही शुरुआत होती है। इस संसार में हजारों खेल चल रहे हैं जिसके हम सब भागीदार हैं। थप्पड़ (या फिर कोई अच्छा परिणाम) आप तक देर-सवेर पहुंच ही जाता है। वह कहां जायेगा? अच्छे कार्य आपको इनाम दिलाते हैं जबकि आपके बुरे विचार या कार्य आपको सजा भी दिलाते हैं। शायद हम भूल जाते हैं हमने कब शुरुआत की? संसार बड़ा है, आप तक लौटने में समय लगता है। लेकिन हर चीज अपने स्रोत तक वापस आ जाती है- यह जीवन के मूल नियमों में से एक है।

5 अंतर खोजें

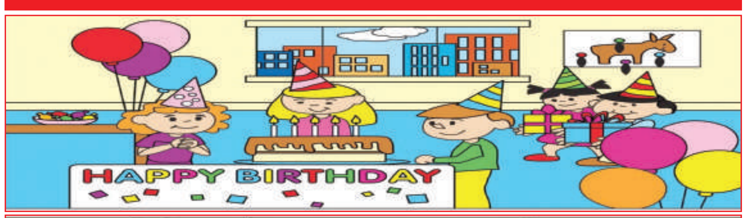

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

किसी से वाद-विवाद या मनमुटाव हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। आत्मविश्वास में कमी आएगी। आर्थिक विषयों में सावधानी बरतें। क्रोध में वृद्धि हो सकती है।

तुला

गुस्से और वाणी पर संयम रखें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। मित्रों का सहयोग मिलेगा। पठन-पाठन में रुचि बढ़ेगी। आकस्मिक धनलाभ होने की संभावना है।

वृषभ

पैसों को लेकर ज्यादा जोखिम न लें। स्वास्थ्य के प्रति थोड़े सावधान ही रहें। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, लेकिन स्थान परिवर्तन की संभावना बन रही हैं

वृश्चिक

आज का दिन आपके लिए मनोरंजन का दिन है। मित्रों के साथ पार्टी या पिकनिक में आज का दिन बहुत अच्छी तरह से बीतेगा। वस्त्राभूषण, वाहन तथा भोजन का अच्छा सुख प्राप्त होगा।

मिथुन

स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा। आंखों में दिक्कत हो सकती है। परिवारजनों के साथ कलह होने की संभावना है। अकस्मात का योग है। आज आय कम और खर्च अधिक होगा।

धनु

परिवार की समस्याएं बढ़ेंगी। प्रतिस्पर्धियों पर विजय प्राप्त होगी। शारीरिकरूप से ठीक रहेंगे। जीवनसाथी को स्वास्थ्य विकार हो सकता है। आलस्य में वृद्धि होगी।

कर्क

तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आशा-निराशा के मिश्रित भाव मन में रहेंगे। आकस्मिक धन मिलेगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। आज का दिन आपके लिए लाभकारी होगा।

मकर

खर्चों में वृद्धि होगी। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। शारीरिक रुप से आलस्य, थकान के कारण अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। भवन सुख में वृद्धि होगी।

सिंह

गुस्से पर काबू रखें। पिता के साथ सम्बंध प्रेमपूर्ण रहेंगे और उनसे लाभ भी होगा। नौकरी में स?थान परिवर्तन की संभावना बन रही है। व्यवहारिकता में कमी आएगी।

कुम्भ

आर्थिक आयोजन भी अच्छी तरह से होंगे। आय में वृद्धि होगी। विद्याप्राप्ति के लिए आज अनुकूल दिन है। माता से लाभ होगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। व्यवहारिकता में कमी आएगी।

कन्या

मित्रों से भेंट हो सकती है। संतान पक्ष से खुशखबरी मिल सकती है। बातचीत में संयम बरतें। शारीरिकरुप से स्फूर्ति का अभाव रहने से थकान और अशक्ति का अनुभव होगा।

मीन

सामाजिक रुप से मान-सम्मान में प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। खर्चों में वृद्धि होगी। मन अशांत रहेगा। सृजनात्मक शक्ति में वृद्धि होगी। भाई-बंधुओ के साथ संबंधों में निकटता आएगी।

बॉक्स ऑफिस पर औंधे मुंह गिरी जॉन अब्राहम की अटैक

जॉन अब्राहम की एक्शन से भरपूर फिल्म अटैक ने बॉक्स ऑफिस पर दम तोड़ दिया है। राजामौली की आरआरआर की आंधी में जॉन की अटैक पहले दिन से ही बेदम नजर आई। इस मूवी में जॉन के अलावा रकुल प्रीत सिंह और जैकलीन फर्नांडीज भी लीड रोल में हैं।

बॉक्स ऑफिस कलेक्शन डॉट इन की रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज के पहले दो दिनों के भीतर 3.51 करोड़ रुपये और 3.42 करोड़ रुपये का कलेक्शन करने के बाद, फिल्म रविवार, 3 अप्रैल को केवल 3.55 करोड़ रुपए का ही कलेक्शन कर पाई। इस तरह बॉक्स ऑफिस पर पूरी तरह धराशायी हो

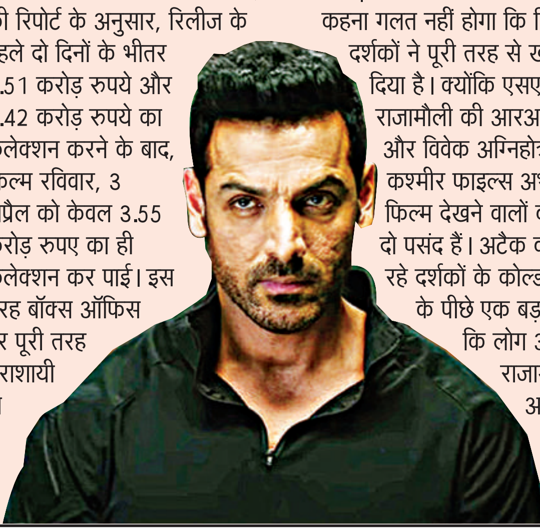

गई। अटैक ने अब तक मात्र 10.48 करोड़ का ही कलेक्शन किया है। ये कहना गलत नहीं होगा कि फिल्म को दर्शकों ने पूरी तरह से खारिज कर दिया है। क्योंकि एसएस राजामौली की आरआरआर और विवेक अग्निहोत्री की द कश्मीर फाइल्स अभी भी फिल्म देखने वालों की पहली दो पसंद हैं। अटैक को मिल रहे दर्शकों के कोल्ड रिएक्शन के पीछे एक बड़ा कारण है कि लोग अभी भी राजामौली की आरआरआर के हैंगओवर से बाहर

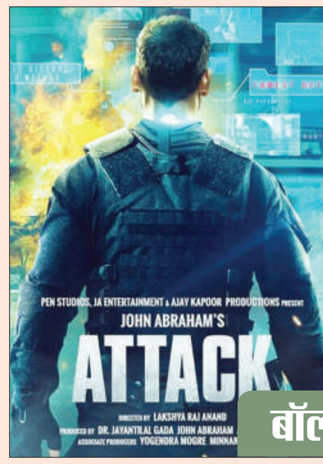

बॉलीवुड | मसाला

नहीं निकल पाए हैं। फिल्म हिन्दी बेल्ट में भी 200 करोड़ के करीब पहुंच रही है, ये जबरदस्त पॉजिटिव माहौल के बीच बॉक्स ऑफिस पर अभी भी ताबड़तोड़ कमाई कर रही है। वहीं द कश्मीर फाइल्स भी अभी तक सिनेमाघरों में जमी हुई है। लक्ष्य राज आनंद की फिल्म, अटैक पार्ट 1 एक ऐसी दुनिया पर आधारित है जहां भविष्य के युद्ध टेक्नॉलजी एंड आर्टिफिशियल इन्टेलिजेंस पर लड़े जाएंगे। यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या जॉन और लक्ष्य पार्ट 1 के बुरी तरह फेल होने के बाद क्या इसके सीक्वल बनाएंगे। फिल्म में प्रकाश राज, रत्ना पाठक शाह, और रंजीत कपूर भी सहायक भूमिकाओं में नजर आए हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

हैक हुआ यामी गौतम का इंस्टाग्राम अकाउंट!

यामी गौतम फिल्म दसवीं में अपने किरदार को लेकर काफी चर्चा में हैं। इन दिनों वो काफी जोर-शोर से दसवीं के प्रमोशन में जुटी हुई हैं। जानकारी आ रही हैं कि एक्ट्रेस अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को एक्सेस नहीं कर रहा पा रही हैं। शायद यामी के अकाउंट को हैक कर लिया गया है। एक्ट्रेस ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर पोस्ट साझा कर दी है। उन्होंने अपने ट्विटर पर लिखा, ये आप सभी को सूचित करने के लिए है कि मैं कल से अपने इंस्टाग्राम अकाउंट तक नहीं पहुंच पा रही हूं। शायद ये हैक हो गया है। हम इसको जल्द-से-जल्द ठीक करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने अपने फैंस को अपने अकाउंट से होने वाली किसी भी असामान्य गतिविधि के प्रति जागरूक रहने के लिए भी आगाह किया है। वहीं फरवरी में एक्ट्रेस नोरा फतेही का इंस्टाग्राम पेज भी हैक हो गया था। जिसकी जानकारी अभिनेत्री ने एक आधिकारिक बयान जारी कर दी थी। बता दे यामी गौतम जल्द ही फिल्म दसवीं में नजर आने वाली हैं। इस फिल्म में वो एक पुलिस ऑफिसर ज्योति देशवाल की मुख्य भूमिका में नजर आने वाली हैं। इस फैमिली ड्रामा फिल्म में अभिषेक बच्चन मुख्य अनपढ़ जाट राजनेता गंगा राम की भूमिका में नजर आने वाले हैं, जिसको भ्रष्टाचार एक के मामले में जुडिशियल कस्टडी में रखा जाता है। लेकिन वो जेल में काम से बचने के वजह से पढ़ाई शुरू करता है और जेल से दसवीं क्लास का फॉर्म भरता है। दसवीं में अभिषेक बच्चन और यामी गौतम के अलावा एक्ट्रेस निमरत कौर भी अहम किरदार में नजर आने वाली हैं।

फिल्म 'पृथ्वीराज' से बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं मानुषी छिल्लर

बॉलीवुड | तड़का

पृथ्वीराज में बनेंगी संयोगिता सेट से शेयर की फोटो

मिस वर्ल्ड 2017 रहीं मानुषी छिल्लर जल्द ही पृथ्वीराज फिल्म से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली हैं। यशराज फिल्म्स के इस हिस्टॉरिकल ड्रामा में मानुषी, बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी है, अब बस इंतजार है तो फिल्म के रिलीज होने का। खैर, फिल्म ना सही, पर मानुषी ने सेट से एक अनसीन फोटो जरूर शेयर की है। मानुषी ने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की है, जिसमें स्पीकर पर मानुषी का हाथ देखा जा सकता है कि दिलचस्प बात ये है

कि मानुषी का हाथ, राजा-महाराजा के जमाने के चूड़ी-कंगन से सजा नजर आ रहा है। तो सीधी बात ये है कि मानुषी ने तस्वीर के जरिए अपने कैरेक्टर की हल्की सी झलक दिखाई है। वे पृथ्वीराज फिल्म में संयोगिता के किरदार में नजर आएंगी अपने इस रोल के लिए मानुषी ने फिल्म में हेवी जूलरी का श्रृंगार किया है। फोटो के साथ मानुषी ने लिखा- #2Months ToPrithviraj। मानुषी ने एक इंटरव्यू में अपने कैरेक्टर संयोगिता पर बात की थी। उन्होंने कहा था- उनकी जिंदगी, उनके मूल्यों, उनके साहस, उनके मान से बनी है और मैं खुशनसीब हूं कि राजकुमारी संयोगिता के रोल के लिए तैयारी के वक्त मैंने उनके बारे में बहुत कुछ जाना। मुझे उम्मीद है मैंने उनके किरदार के साथ न्याय किया है। लोग उनकी कहानी देखें इसके लिए मैं काफी एक्साइटेड हूं। 3 जून को रिलीज हो रही फिल्म डायरेक्टर डॉ. चंद्रप्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनीं यह फिल्म 3 जून 2022 को रिलीज हो रही है। इसे तीन भाषाओं हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज किया जाएगा। फिल्म में अक्षय और मानुषी के अलावा संजय दत, सोनू सूद भी अहम किरदार में हैं। पृथ्वीराज, राजा पृथ्वीराज चौहान की शौर्यगाथा पर आधारित है।

इस दीये में कोई नहीं भरता घी फिर भी 21 साल से जल रही है अखंड ज्योति

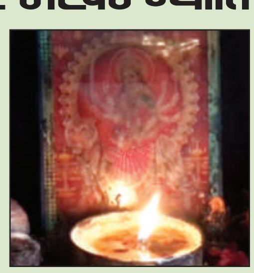

भारत में ऐसे कई मंदिर हैं जो रहस्यों से भरे हुए हैं। इन रहस्यों और चमत्कारों ने वैज्ञानिकों को भी हैरान कर दिया। वैज्ञानिक भी इन रहस्यों को आजतक नहीं सुलझा पाए। फिलहाल चैत्र नवरात्रा चल रहे हैं और देश भर के माता के मंदिरों में भक्तों की भारी भीड़ लगी हुई है। 2 साल बाद कोरोना पाबंदियों के हटने सये फिर से माता के मंदिरों में भक्त दर्शन करने के लिए उमड़ रहे हैं। आज हम आपको माता के एक ऐसे ही मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं, जिसका रहस्य वैज्ञानिक भी नहीं सुलझा पाए। वहीं स्थानीय लोग इसे माता का चमत्कार मानते हैं। गुना जिले में माता का एक ऐसा मंदिर है, जहां पिछले 21 साल से अखंड ज्योत जल रही है। माता का यह अनोखा मंदिर जिले के झंझोन गांव में स्थित है। दूर-दूर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन करने पहुंचते हैं। गांव के लोगों का कहना है कि भगवान शिव और मां शक्ति की कृपा से ऐसा हो रहा है। नवरात्रों में यहां भक्तों की भारी भीड़ जमा होती है। इस अखंड ज्योत को देखने के लिए दूर-दूर से श्रद्धालु यहां आते हैं। रिपोर्ट के अनुसार 21 सालों से यहां जल रही अखंड ज्योत को लोग माता का चमत्कार मानते हैं। यहां कटोरे में जल रही अखंड ज्योत में कोई भी घी नहीं डालता फिर भी सालों से यह ज्योत ऐसे ही जल रही है। ग्रामीण भी अचरज में पड़ गए कि यह ज्योति अपने आप कैसे जल रही है। इसमें घी कहां से आता है। रिपोर्ट के अनुसार, इस मंदिर में 21 वर्ष पहले नवरात्रि के समय गांव के बच्चों ने पैसे जुटाकर मां दुर्गा की झांकी सजाई और 9 दिन तक ज्योति जलाई। इसके बाद से ही यह ज्योत लगातार जल रही है। यह मामला इतना चर्चित हुआ कि प्रशासन की टीम वैज्ञानिकों का एक दल लेकर गांव पहुंची। तमाम जांचें करने के बाद कई दिन तक पहरा भी बैठाया गया, ताकि समझा जा सके कि, इसका रहस्य क्या है। हैरानी की बात ये है कि, जांच टीम भी इसे माता का चमत्कार मानते हुए वहां से लौट गई। वहीं मंदिर के पुजारी का कहना है कि कटोरे में अपने आप घी आ जाता है। सिर्फ दीये की बाती रोज बदल जाती है। गांव के लोगों ने भी इसके बारे में जानने की कोशिश की, लेकिन सफलता प्राप्त नहीं हो सकी। पहले इस मंदिर के स्थान पर एक चबूतरा हुआ करता था, जिस पर भगवान शिव का शिवलिंग विराजमान थे। ग्रामीणों ने पैसे एकत्रित कर इस मंदिर को चारदीवार में तब्दील कर दिया।

अजब-गजब | दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कें

इन सड़कों पर हर किसी ड्राइवर के बस की बात नहीं गाड़ी चलाना

दुनियाभर में आने-जाने के लिए हजारों लाखों सड़कें बनाई गई हैं। जिन से लोगों को आने जाने में कोई परेशानी न हो, लेकिन इनमें से ऐसे भी कुछ रोड हैं जिन चलकर सफर को आसान नहीं बनता बल्कि ये रोड यात्रा को और भी परेशानदायक बना देते हैं। इन सड़कों को दुनिया की सबसे खतरनाक सड़कों में गिना जाता है। जिसमें पहला नाम आता है कश्मीर-लेह हाईवे का। जो 443 किलोमीटर लंबा है। ये हाईवे भारत की कश्मीर घाटी में जोजिला के पास से गुजरता है। ये हाईवे सर्दियों के मौसम में पूरी तरह से बर्फ से ढक जाती है और जब गर्मियों का मौसम आता है तब बर्फ पिघलती है उसके बाद हाईवे पर कीचड़ से फिसलन हो जाती है। जहां से गुजरना किसी मुसीबत से कम नहीं होता। इसके अलावा पत्थर गिरने और बर्फीले तूफान का खतरा भी बना रहता है। वहीं दूसरे नंबर पर है दक्षिण अमेरिकी देश पेरू की सड़क, जिसे सर्पीली सड़क माचू पिचू को आगुआस कालिएंतेस को जोड़ती है। इसे माचू पिचू नाम दिया गया है। ये सड़क एकदम खड़े पहाड़ पर बनी है। इस सड़क में 11 तीखे हेयरपिन बैंड

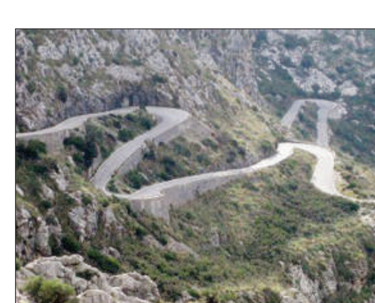

हैं। जो केवल 8.9 किलोमीटर लंबी है लेकिन इस हिस्से को पार करने में बहुत से लोगों की हालत खराब हो जाती है। वहीं न्यूजीलैंड के क्वींसटाउन में स्किपर्स कैनियन सड़क भी दुनिया की खतरनाक सड़कों में से एक है। यह सड़क 40 साल पहले भेड़ों और चरवाहों के लिए बनाई गई। बाद में इस पर गाड़ियां भी चलने लगीं। यह सड़क बेहद पतली और तीखे मोड़ों वाली है। सामने से आने वाली भेड़ें और गाड़ियां मुश्किल पैदा करती हैं। अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में फेडरल हाईवे 20 भी दुनिया का सबसे खतरनाक हाइवे है। इस हाइवे को रूट 20 के नाम से भी जाना जाता है। बर्फीले पहाड़ों और मोहक वादियों वाली इस सड़क पर सर्दियों में गाड़ी चलाना नामुमकिन सा हो जाता है। बर्फ के चलते इस सड़क पर ट्रक तक फिसलने लगते हैं। इसके अलावा हिमाचल प्रदेश की किन्नूर घाटी तक जाने वाली सड़क अथाह गहरी खाई के बराबर चलती है। कई जगहों पर कड़ी चट्टानें काटकर यह सड़क को बनाया गया है। और कहीं भूस्खलन वाले इलाकों में इस सड़क को बनाया गया है। रोड का बड़ा हिस्सा सिंगल लेन है। जरा सी चूक होने पर सैकड़ों मीटर गहरी खाई में गिरने का डर हमेशा सताता रहता है। स्पेन के मशहूर द्वीप मयोर्का के सा कोलोब्रा गांव तक पहुंचने वाली सड़क सा कोलोब्रा रोड भी बहुत खतरनाक है। 13 किलोमीटर लंबी इस सड़क में कई तीखे मोड़ हैं। बस और ट्रक इस सड़क पर बैक होकर वापस नहीं जा सकते। मोड़ों पर दो बड़ी गाड़ियां बमुश्किल पास ले पाती हैं। फ्रांस की जॉर्ज दे गालामू सड़क ड्राइवरों के लिए बहुत बड़ा चैलेंज है। इस सड़क पर कुछ जगहों पर बिल्कुल एक कार के बराबर जगह है।

अयोध्या में यात्रियों से भरी बस पलटी, तीन की मौत, 30 घायल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» लखनऊ-गोरखपुर हाईवे पर हुआ हादसा, सिद्धार्थनगर जा रही थी बस

» मुख्यमंत्री ने जताया शोक घायलों को अस्पताल में कराया गया भर्ती

अयोध्या। रामनगरी में आज सुबह लखनऊ-गोरखपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर मुमताज नगर ओवर ब्रिज पर खड़े एक वाहन को ओवरटेक करने के प्रयास में एक निजी बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि तीस घायल हो गए हैं। बस दिल्ली से सिद्धार्थनगर जा रही थी। हादसे पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शोक जताया है।

मुमताज नगर में एक खराब ट्रक हाईवे पर खड़ा था, जिसे ओवरटेक कर आगे निकालने के प्रयास में यह हादसा हुआ। यात्रियों ने बताया कि हादसा कैसे हुआ उनको नहीं पता लेकिन इतना जरूर याद है कि बस पहले लहराई और उसके बाद पलट गई। हादसे के बाद बस में मौजूद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। आसपास के लोग भी मौके पर आ गए। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। हादसे की सूचना पाकर पुलिस और प्रशासन के अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। एम्बुलेंस और अन्य वाहनों से घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया। घटना में दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि एक युवक ने जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया। दम तोड़ने से पहले युवक ने अपना नाम रमेश और पता हरैया जोगिया जिला सिद्धार्थनगर बताया। शेष दो मृतकों की शिनाख्त की जा रही है। घायलों में सिद्धार्थनगर के रहने वाले रिषभ तिवारी, प्रवीण कुमार, ओम कुमार, पंचम,

अनिता, भीसू, शिवम, दिनेश, अंशिका, देवी प्रसाद सहित तीस लोग शामिल हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने तीन लोगों की मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों का समुचित उपचार कराए जाने के निर्देश भी दिए हैं।

विग लगाकर दुबई से ले आया लाखों का सोना, गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। अमौसी एयरपोर्ट पर बालों में विग लगाकर एक यात्री दुबई से 15 लाख का सोना लेकर आ गया। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के इंटरनेशनल टर्मिनल पर बाहर निकलते हुए कस्टम की टीम ने तत्परता दिखाते हुए यात्री को पकड़ लिया। पूछताछ के बाद उसके पास से सोना मिला, जिसके बाद कस्टम ने यात्री को पुलिस के हवाले कर दिया।

सोमवार को शारजाह से इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई-1412 लखनऊ एयरपोर्ट पहुंची थी। उड़ान से आए एक यात्री ने जो फार्म भरकर दिया, उसमें किसी कीमती वस्तु के न होने का जिक्र किया गया। ऐसे में यात्री को ग्रीन चैनल से भेजा गया। इस बीच वहां तैनात कस्टम अधिकारी की नजर यात्री के सिर पर पड़ी। यात्री ने सिर पर विग लगायी थी। शक होने पर यात्री को स्कैनर के सामने से गुजारा गया। स्कैनर से गुजरते ही शरीर में धातु होने का संकेत मिलने लगा। मौके पर जांच की गई तो यात्री के सिर से 291 ग्राम सोना पकड़ा गया। जिसे उसने विग और बालों के बीच में गोंद से चिपका रखा था।

संक्षिप्त खबरें

अंबेडकरनगर: मुठभेड़ में एक बदमाश ढेर दो गिरफ्तार, माल बरामद

अंबेडकरनगर(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। लूट व डकैती के आरोपियों के साथ हुई मुठभेड़ में पुलिस ने एक बदमाश को मार गिराया जबकि दो अन्य को गिरफ्तार कर लिया गया। पीआरओ सेल की दारोगा देविका सिंह ने बताया कि जिलेभर के कई क्षेत्रों में बीते दिनों हुई लूटपाट की घटनाओं का पर्दाफाश करने में एसओजी टीम लगी हुई थी। उसे सूचना मिली कि मालीपुर थाना क्षेत्र में नहर के पास से तीन बदमाश एक बाइक से गुजर रहे हैं। टीम ने वहां पहुंचकर बाइक सवारों को रुकने का इशारा किया तो वे फायरिंग करते हुए भागने लगे। जवाब में पुलिस की गोली से एक बदमाश घायल हो गया जबकि उसके साथियों को घेरकर पकड़ लिया गया। बदमाशों की पहचान जौनपुर जिले के सरायख्वाजा थाने के मोमीनापुर गांव के मिथुन, जौनपुर के खुटहन थाने के धम्मौर के शाहआलम और जौनपुर जिले के गोसाईंगंज थाने के भाईराम के रूप में हुई। गंभीर रूप से घायल भाईराम को जिला अस्पताल लाया गया, यहां से चिकित्सकों ने उसे लखनऊ रेफर कर दिया। सोमवार शाम इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इन बदमाशों से पूछताछ में कई वारदातों का खुलासा हुआ। उनके पास से संतकबीरनगर जिले के धनघटा थाने से लूटी गई बोलेरो भी बरामद हुई, जिसमें करीब चार लाख का सामान मिला है। इन तीनों आरोपियों के खिलाफ आसपास के कई जिलों के थानों में गंभीर किस्म के मुकदमे दर्ज हैं। एसपी आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि गिरफ्तार आरोपियों से अभी पूछताछ की जा रही है। कुछ और भी मामलों से पर्दा उठने की उम्मीद है।

नहर में डुबोकर ली पत्नी की जान, फिर दफनाया

हरदोई(4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। हरदोई जिले में 11 फरवरी ने लापता महिला की हत्या कर शव बाग में दफनाए जाने के मामले का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया। पुलिस का दावा है कि पति ने आपसी मनमुटाव में महिला को पहले नहर में डुबोकर हत्या कर दी थी, इसके बाद शव को आम के बाग में गड्ढा खोदकर दफना दिया था। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। एसपी राजेश द्विवेदी ने बताया कि नौ मार्च को कछौना के समसपुर निवासी हनिनाम ने बघौली थाने में अपनी बेटी शालिंद्री की (37) की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। पुलिस ने पति श्रीराम से पूछताछ की थी तो उसने बताया कि 11 फरवरी को वह पत्नी को नैमिषारण्य घुमाने ले गया था। वहीं से पत्नी गुम हो गई थी। टीम लगाकर उसकी तलाश की गयी लेकिन सुराग नहीं मिला। इस दौरान मुखबिर ने पति द्वारा शालिंद्री की हत्या कर शव छिपाने की सूचना दी। क्राइम ब्रांच व स्थानीय पुलिस ने पति श्रीराम को फजलपुर तिराहे से गिरफ्तार कर कड़ाई से पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। उन्होंने बताया कि पत्नी से उसका मनमुटाव रहता था। जिसके चलते दौलतपुर के निकट नहर में पत्नी को पानी में डुबोकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को पास के आम के बाग में गड्ढा खोदकर दफना दिया था। आरोपी की निशानदेही पर टीमों ने बाग में झाड़ियों के अंदर गड्ढे से शव (कंकाल) बरामद किया।

घटिया मिठाई पर नामचीन दुकानों पर जुर्माना

लखनऊ (4पीएम न्यूज़ नेटवर्क)। शहर के नामी-गिरामी प्रतिष्ठानों में भी घटिया सामग्री से मिठाइयां और खाने का सामान बनाया जा रहा है। एडीएम पूर्वी की कोर्ट ने शहर के ऐसे ही दो बड़े प्रतिष्ठानों पर मिठाइयों और नमकीन की गुणवत्ता सही नहीं पाए जाने पर जुर्माना लगाया है। राधेलाल स्वीट अलीगंज पर सवा लाख रुपए और गोमती नगर के नीलकंठ पर अस्सी हजार का जुर्माना लगा है। दोनों ही प्रतिष्ठानों के कुल सात नमूने जांच के लिए भेजे गए थे जो मानकों पर खरे नहीं उतरे। इसी तरह से 18 अन्य प्रतिष्ठानों पर भी करीब 15 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा एसपी सिंह के मुताबिक काफी पहले ही जांच में नमूने फेल पाए गए थे। एडीएम पूर्वी की कोर्ट में इनका वाद चल रहा था। सोमवार को न्याय निर्णायक अधिकारी केपी सिंह ने प्रतिष्ठानों पर जुर्माना लगाया।

गोरखनाथ मंदिर हमला मामला

एटीएस के रडार पर था मुर्तजा जाकिर नाइक को करता है फॉलो

» एटीएस की पूछताछ में कई खुलासे, बड़ी साजिश की आशंका

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। गोरखनाथ मंदिर की सुरक्षा में तैनात सिपाहियों पर जानलेवा हमला करने के आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी के लैपटॉप और मोबाइल फोन की जांच में एजेंसियों के हाथ कई सुराग लगे हैं। मुर्तजा एटीएस के रडार पर पहले से था।

अब्बासी प्रतिबंधित इस्लामिक प्रचारक जाकिर नाइक को फॉलो करता है। कुछ वीडियो भी जब्त किए गए हैं। आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी से पूछताछ के बाद पुलिस की पांच टीमें उसके हर बयान की जांच कर रही हैं। जांच से एक बात साफ हो चुकी है कि हमलावर सिरफिरा नहीं था। वह साजिश के तहत बड़ी वारदात को अंजाम देना चाहता था। किसके कहने और किस इरादे से गोरखनाथ मंदिर परिसर में प्रवेश करना चाहता था, इस पर एजेंसियां खुलकर नहीं बोल रही हैं। पता चला है कि शनिवार को लखनऊ की नंबर प्लेट लगी एक बाइक से दो लोग मुर्तजा से मिलने उसके घर आए थे। इसके बाद मुर्तजा लापता हो गया था। जांच में पता चला है कि वह नेपाल गया था। नेपाल से लौटने के दौरान ही महराजगंज से दो बांका खरीदा। लिहाजा, जांच एजेंसियों की टीम महराजगंज जाकर छानबीन कर रही हैं। आरोपी अहमद मुर्तजा अब्बासी को 11 अप्रैल की दोपहर दो बजे तक के लिए कोर्ट ने पुलिस अभिरक्षा में दिया है।

भीषण गर्मी की चपेट में राजधानी, पारा 41 पार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत कई शहर भीषण गर्मी की चपेट में है। राजधानी में सोमवार को पारा 41 डिग्री के पार चला गया था। मौसम विभाग के मुताबिक आने वाले दिनों में अभी गर्मी से राहत के आसार नहीं दिख रहे हैं। लू का अलर्ट भी जारी किया गया है। अगले छह दिनों में गर्मी और प्रचंड होगी। अधिकतम तापमान 43 डिग्री के पार जाने की संभावना है।

लखीमपुर कांड: लोक-लाज से परे हो गया लोकतंत्र!

» 4पीएम की परिचर्चा में प्रबुद्धजनों ने किया मंथन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सुप्रीम कोर्ट में लखीमपुर कांड की सुनवाई पूरी होने से क्या अब अजय मिश्रा टेनी की कुर्सी खतरे में पड़ जाएगी। फिलहाल शीर्ष अदालत ने फैसले को सुरक्षित रख लिया है। इस पूरे मामले में देखा जाए तो आशीष मिश्रा और अजय टेनी की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आ रही है। इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश के सिंह, श्रवण गर्ग, डॉ. राकेश पाठक, डॉ. लक्ष्मण यादव, प्रो. रविकांत और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

प्रो. रविकांत ने कहा लखीमपुर का मुद्दा इतनी जल्दी समाप्त नहीं होगा। टेनी के इस्तीफ को लेकर पहले भी डिमांड होती रही, विपक्षियों को जिस तरह विरोध करना चाहिए, उस तरह करने में सक्षम नहीं हुए। चुनाव के पहले जब टेनी को नहीं हटाया तो अब हटाने का सवाल ही नहीं है। डॉ. राकेश पाठक ने कहा जिस लोकतंत्र की बात कर रहे, वो लोक लाज से चलता है और भारत का लोकतंत्र लोक लाज से परे हो गया है। जिस बड़े दल की बात कर रहे उसका घोड़ा स्वर्णिम काल में दौड़ रहा, उसे रोकना अभी मुमकिन नहीं। मोदी का बयान था कि मेरी सरकार में कोई अपराधी नहीं होगा, बहुत से बयान है। टेनी महाराज व उनके पुत्र के कारण वे हटा दिए जाए तो ये कहना मुश्किल होगा। पांच लोगों के कुचलने का आरोपी मतदान से पहले जमानत पा जाता है और एक पत्रकार बेचारा आज तक जमानत नहीं पा सका। सतीश के सिंह ने कहा चुनाव जीतने से आदमी अपराधमुक्त हो जाते ऐसा है नहीं। ये जो पूरा प्रकरण हुआ है सही या गलत। अभी भी हमारे लोकलाज में, हमारे संवैधानिकता में इतनी बात है कि हम कोर्ट की टिप्पणी पर, फैसले पर टिप्पणी न ही करे। जो प्रकरण लखीमपुर में हुआ, उसके बाद नैतिकता के नाम पर... आपके नेता मंत्री रहते, सब कुछ रहते, आगे अब किसी भी प्रदेश में, भारत सरकार में कोई भी मंत्री इस्तीफा नहीं देगा, ये लाइन खींच दी गईं। श्रवण गर्ग ने कहा एसआईटी के विरोध के बावजूद चुनाव से पहले आशीष मिश्रा को जमानत पर छोड़ दिया गया। सवाल है कि एसआईटी की क्रिटिबिलिटी क्या रहेगी। सरकार का कहना है कि हमने जमानत का विरोध किया था। ये पूरा मामला नैतिकता का है, सरकार जानती है कि ये सब होता रहेगा, आप जो चाहे कर लीजिए। डॉ. लक्ष्मण यादव ने भी परिचर्चा में अपने विचार रखे।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

अचानक केजीएमयू पहुंचे बृजेश पाठक तो मचा हड़कंप, बोले, बख्शे नहीं जाएंगे लापरवाह

प्रदेश में बद से बदतर है स्वास्थ्य सेवा, डिप्टी सीएम ने दी चेतावनी अब लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

» दो दिन पहले अचानक सिविल अस्पताल भी पहुंच गए थे स्वास्थ्य मंत्री

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी सरकार के उप मुख्यमंत्री व चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक आज अचानक राजधानी के केजीएमयू पहुंच गए। उन्होंने केजीएमयू का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वार्डो का निरीक्षण किया। बृजेश पाठक ने मरीजों से बात कर समस्याएं जानीं। इसके अलावा स्वयं लाइन में लगकर व्यवस्थाओं को परखा और व्यवस्थाएं सुधारने के लिए अस्पताल के उच्चाधिकारियों को फटकार भी लगाई।

उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। मरीजों का ख्याल रखना सबसे पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि अगर लापरवाही की तो बख्शे नहीं जाएंगे। उप मुख्यमंत्री ने अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड, एक्सरे तथा जांच से संबंधित अन्य सभी उपकरणों को पूरी तरह क्रियाशील रखने की चेतावनी भी दी।

फोटो: सुमित कुमार

साथ ही व्हील चेयर व स्ट्रेचर पर्याप्त मात्रा में रखने की नसीहत दी। चिकित्सक और स्वास्थ्यकर्मियों से मरीजों से अच्छा व्यवहार करने की बात कही। वहीं बिना सूचना अचानक ही डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के केजीएमयू पहुंचने की खबर मिलते ही अस्पताल प्रशासन में हड़कंप मच गया।

पाठक के तेवर देख एकबारगी डॉक्टर सकते में आ गए। डॉक्टरों व कर्मचारियों ने उन्हें विश्वास दिलाया कि यहां किसी भी मरीज को परेशानी नहीं होगी, 24 घंटे लोग मरीजों की सेवा में तत्पर है। इससे दो दिन पहले डिप्टी सीएम बृजेश पाठक अचानक सिविल अस्पताल भी पहुंच गए थे। वहां टूटी व्हील चेयर सहित कई अव्यवस्थाएं देखकर भड़क गए थे। उन्होंने सीएमएस को व्यवस्थाएं सुधारने के लिए सात दिन का समय दिया था।

नहीं मिली एंबुलेंस, तस्वीर वायरल होने पर बृजेश पाठक ने मांगी रिपोर्ट

बलिया के चिलकहर ब्लॉक में इलाज के लिए अस्पताल ले जाने को कोई साधन नहीं मिला तो बुजुर्ग पति अपनी बीमार 55 वर्षीय पत्नी जोगनी को ठेले पर लेटाकर तीन किमी दूर स्वास्थ्य केंद्र पर ले गया। वहां से चिकित्सकों ने रेफर किया तो पैसों का इंतजाम कर टेम्पो से जिला अस्पताल पहुंचाया। इतना सबके बावजूद पत्नी की जान नहीं बची। हद तो यह कि लाश को जिला अस्पताल से घर ले जाने के लिए भी एम्बुलेंस नहीं मिली। पत्नी को ठेले पर अस्पताल ले जाते बुजुर्ग की तस्वीर सोशलमीडिया पर किसी ने वायरल कर दी। मामला डिप्टी सीएम बृजेश पाठक के संज्ञान में आया। उन्होंने फौरन अधिकारियों से इसकी रिपोर्ट तलब की है।

गाजीपुर से लेकर लखनऊ तक उठी बलिया के पत्रकारों के रिहाई की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी बोर्ड पेपर लीक मामले में बलिया प्रशासन द्वारा तीन पत्रकारों को जेल भेजने की घटना से राजधानी लखनऊ सहित गाजीपुर जनपद के पत्रकार आक्रोशित हैं। गाजीपुर के पत्रकार संगठनों की ओर से राज्यपाल को संबोधित पत्रक प्रशासन को सौंप कर पत्रकारों की जल्द रिहाई की मांग की गई। साथ ही पत्रकारों ने बलिया प्रशासन के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। वहीं लखनऊ में पत्रकार धीरेंद्र नाथ श्रीवास्तव ने कहा कि क्या 1857 से आजादी के लिए लड़ने वाले बागी लोग नकल गिरोह के भय से चुप रहेंगे? बागी लोग नकल गिरोह के विरोध में बगावत करेंगे।

नवरात्र में जगत जननी मां दुर्गा से प्रार्थना करता हूं कि हे मां, नकल गिरोह को बेनकाब करने वाले बलिया के पत्रकार द्विग्विजय सिंह को गिरफ्तार करने, कराने वालों का नाश करो। लोकतन्त्र और सुराज की रक्षा करो। राजीव तिवारी बाबा लिखते हैं कि इस मुद्दे पर लखनऊ में कहीं कोई सुगबुगाहट न होते पाकर राजधानी के पत्रकारों के इस रवैये से व्यथित होकर जिला प्रशासन बलिया की तानाशाही के विरोध में और गिरफ्तार निर्दोष पत्रकार साथियों के समर्थन में कल जीपीओ पर गांधी प्रतिमा के सामने एक दिवसीय सांकेतिक धरने पर रहूंगा। जिन भी पत्रकार साथियों और संगठनों लगता है

कि उन्हें इस मुद्दे पर बलिया के जुझारू पत्रकार साथियों का साथ देना चाहिए वे जीपीओ गांधी प्रतिमा पर समय निकाल कर आकर समर्थन कर सकते हैं। साथ ही गाजीपुर में इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन की तरफ से पत्रकारों ने काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया। संगठन की ओर से राज्यपाल के नाम उपजिलाधिकारी अनिरुद्ध सिंह को पत्रक सौंपा गया, जिसमें मांग की गई कि बोर्ड परीक्षा में पेपर लीक मामले में गिरफ्तार किए गए पत्रकारों की जल्द रिहाई करें नहीं तो पूरे प्रदेश में पत्रकारों द्वारा जबरदस्त तरीके से विरोध दर्ज किया जाएगा।

एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष सुनील सिंह ने कहा कि पत्रकारों की गिरफ्तारी निंदनीय और घृणित है, जिसकी जितनी भी निंदा की जाए कम है। प्रदेश सरकार देश के चौथे स्तंभ को भी नहीं बख्श रही है। अगर बलिया प्रशासन पत्रकारों की रिहाई जल्द नहीं करता है तो पत्रकार सड़क पर उतरकर आंदोलन करने के लिए बाध्य होंगे।

अयोध्या जाने की तैयारी में शिवपाल!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रचंड जीत के बाद भाजपा की दोबारा सरकार बनने के बाद राजनीतिक सरगर्मी तेज है। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव का भारतीय जनता पार्टी के बड़े नेताओं के प्रति उमड़ा ट्विटर प्रेम और उनका रामभक्त हो जाना बदलाव का बड़ा संकेत दे रहा है।

नवरात्रि के बाद लेंगे बड़ा फैसला

वैसे भी शिवपाल सिंह यादव यह कह चुके हैं कि वह नवरात्रि के बाद कोई बड़ा फैसला लेंगे। अब सभी की निगाह उनके फैसले पर ही टिकी है। भारतीय जनता पार्टी विधानसभा चुनाव में जीत दर्ज करने के बाद अब मिशन 2024 पर लग गई है। भाजपा के इस मिशन में समाजवादी पार्टी के विधायक शिवपाल सिंह यादव भी बड़े मददगार साबित हो सकते हैं। शिवपाल सिंह यादव का ट्विटर पर भाजपा के बड़े नेताओं को फालो करने के साथ ही अयोध्या जाकर रामलला तथा हनुमान गढ़ी का दर्शन करने की योजना भी उनको रामभक्त साबित कर रही है। माना जा रहा है कि उत्तर प्रदेश के सबसे सबसे बड़े राजनीतिक यादव परिवार के मजबूत सदस्य शिवपाल सिंह यादव पर भगवा रंग चढ़ने लगा है। कल सुबह राम दरबार की एक फोटो शेयर कर चौपाई के जरिए अपनी बात कहने वाले शिवपाल सिंह अब अयोध्या जाने की तैयारी में हैं। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव के आने वाले दिनों में अयोध्या जाने के साथ भाजपा में शामिल होने की अटकलें भी तेज हैं। शिवपाल सिंह यादव ने बीते दिन कहा था कि अयोध्या में हनुमानगढ़ी तो जाना ही है।

फैसल पटेल ने कांग्रेस छोड़ने के दिए संकेत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के दिवंगत नेता और सोनिया गांधी के सलाहकार रहे अहमद पटेल के बेटे फैसल पटेल ने कांग्रेस छोड़ने के संकेत दिए हैं।

उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा कि इंतजार करते-करते थक गया हूं। आलाकमान से कोई प्रोत्साहन नहीं है। अपने विकल्प खुले रख रहा हूं। अटकलें यह भी लगाई जा रही हैं कि वे आम आदमी पार्टी में शामिल हो सकते हैं। क्योंकि पिछले साल अप्रैल में ही फैसल ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से मुलाकात की थी। बता दें कि लंबी बीमारी के बाद अहमद पटेल का नवंबर 2020 में निधन हो गया था। पटेल सोनिया गांधी के सबसे करीबी नेताओं में से एक माने जाते थे। वे सोनिया गांधी के राजनीतिक सलाहकार भी थे।

फोटो: 4पीएम

धरना लखनऊ। हजरतगंज स्थित नगर निगम मुख्यालय पर सफाई कर्मचारियों ने अपनी मांगों को लेकर आज प्रदर्शन किया। सफाई कर्मचारियों ने नगर निगम के अधिकारियों पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। साथ ही ठेकेदारी प्रथा को समाप्त करने की भी मांग की है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website:** www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।